PRGI : APHIN/26/A3657

पेन पॉवर

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 1 अंक - 29 शनिवार, अगस्त 8, 2026 विशाखापट्टनम संपादकः गंट्यादा अप्पाराव पृष्ठों. 4 मूल्य. 1रु

हथकरघा की खोई हुई समृद्धि वापस लाना सरकार का लक्ष्यः मुख्यमंत्री

(पेन पॉवर न्यूज): बापटला, 7 अगस्तः मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर हथकरघा परिवारों के साथ मिलकर 'नेतन्ना सेवा में' योजना की शुरुआत की गई है।

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर हथकरघा परिवारों के साथ मिलकर 'नेतन्ना सेवा में' योजना की शुरुआत की गई है। शुक्रवार को वेटापालेम मंडल के कोत्तापेटा में आयोजित राष्ट्रीय हथकरघा दिवस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने भाग लिया और संबोधित किया। उन्होंने कहा कि चीराला आना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक पात्र हथकरघा परिवार को ₹25 हजार की आर्थिक सहायता दी जा रही है और इस योजना का लाभ कुल 71,636 हथकरघा परिवारों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि ₹179 करोड़ सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव के दौरान किया गया वादा पूरा कर दिया गया है।

चीराला के हथकरघा को देशभर में पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि हथकरघा श्रमिकों के प्रति उनके मन में विशेष लगाव है। उन्होंने कहा कि वे हथकरघा श्रमिकों की कठिनाइयों से परिचित हैं और विपक्ष में रहते हुए भी हथकरघा क्षेत्र के लिए संघर्ष किया था। उन्होंने कहा कि हथकरघा केवल एक पेशा नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति का प्रतीक है। उन्होंने हथकरघा को देश को गौरवान्वित करने वाली कला बताया।

चंद्रबाबू ने कहा कि चीराला के हथकरघा उत्पादों को देशभर में विशेष पहचान मिली है और चीराला की रेशमी तथा सूती साड़ियों की काफी मांग है। उन्होंने बताया कि एक समय चीराला के रूमाल विदेशों में निर्यात किए जाते थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समय के साथ हथकरघा क्षेत्र को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि हथकरघा क्षेत्र को प्रोत्साहित करते हुए श्रमिकों के जीवन स्तर में सुधार किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि चीराला, वेंकटगिरी, धर्मवरम, उप्पाडा, श्रीकाकुलम, मंगलगिरी, पोंदुरु, पेडना और नरसापुरम के हथकरघा उत्पादों को दुनियाभर में पहचान मिली है। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू ने स्पष्ट किया कि हथकरघा की पुरानी गौरवशाली पहचान को फिर से स्थापित करना ही सरकार का लक्ष्य है।

किया हुआ वादा निभाया

मुख्यमंत्री ने बताया कि लगभग 1,27,000 लोग हथकरघा क्षेत्र पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने कई तरह के पेशे देखे हैं, लेकिन हथकरघा श्रमिक ही ऐसा वर्ग है जो पूरी तरह हथकरघा पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि हथकरघा श्रमिकों का जीवन करघे पर ही निर्भर है।

चंद्रबाबू ने कहा कि राजनीति में आने के बाद जिन वर्गों के प्रति उन्होंने सबसे अधिक चिंता दिखाई, उनमें हथकरघा श्रमिक प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष में रहने के दौरान भी और सत्ता में रहने के दौरान भी हथकरघा श्रमिकों ने हमेशा तेलुगु देशम पार्टी को वोट दिया।

उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले उन्होंने हथकरघा के लिए ₹200 और पावरलूम के लिए ₹500 की सब्सिडी देने का वादा किया था और सरकार ने अपना वादा पूरा कर दिया है।

हथकरघा श्रमिकों को पेंशन देने वाली पहली सरकार हमारी है

चंद्रबाबू ने कहा कि हथकरघा श्रमिक लंबे समय तक करघे पर बैठकर काम करते हैं और कपास के रेशे सांस के जरिए शरीर में जाने से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए 50 वर्ष की आयु से पेंशन देने की व्यवस्था की गई।

उन्होंने कहा कि 50 वर्ष की उम्र से हथकरघा श्रमिकों को पेंशन देने वाली पहली सरकार उनकी सरकार है। उन्होंने बताया कि करीब 85 हजार हथकरघा श्रमिकों को पेंशन दी जा रही है और पेंशन राशि को ₹4 हजार से बढ़ाकर ₹6 हजार कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि हथकरघा पेंशन के लिए सरकार हर साल ₹420 करोड़ खर्च कर रही है। उन्होंने कहा कि 109 हथकरघा सहकारी समितियों को ₹79 करोड़ का कैश क्रेडिट दिया जा रहा है। इसके अलावा 10 हथकरघा क्लस्टरों के विकास के लिए ₹10 करोड़ मंजूर किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि हथकरघा उत्पादों के विपणन के लिए विशेष सहायता कार्यक्रम लागू किए जा रहे हैं। उप्पाडा में विशेष बुनियादी ढांचा परियोजना स्थापित की गई है और मंगलगिरी में हथकरघा पार्क का निर्माण किया जा रहा है।

NDA की जीत का कारण BC वर्ग

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 45 वर्षों से ठब वर्ग ज्क्ट की रीढ़ बना हुआ है। उन्होंने कहा कि छक। की जीत में ठब समुदाय की प्रमुख भूमिका रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य के पुनर्निर्माण का वादा पूरा किया गया है और सरकार Super SiÛ चुनावी वादों को लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों को परेशानी रहित प्रशासन उपलब्ध करा रही है।

उन्होंने बताया कि 'नेतन्ना सेवा में' योजना के तहत 25 हजार की आर्थिक सहायता दी जा रही है। 'तल्लिकी वंदनम' योजना के तहत दो बच्चों वाले परिवारों को 30 हजार का लाभ मिल रहा है। महिलाओं को हर साल तीन मुफ्त गैस सिलेंडर दिए जा रहे हैं और सभी वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं लागू की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछड़े वर्गों को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने अन्नदाता सुखीभव योजना के कार्यान्वयन का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि क्ैब के माध्यम से 16 हजार नौकरियों का वादा पहली फाइल पर हस्ताक्षर करके पूरा किया गया है। उन्होंने बताया कि 1.34 लाख मछुआरों को 505 करोड़ की आर्थिक सहायता दी गई है। उन्होंने कहा कि वड्डेर समुदाय को माइनिंग लीज दी जा रही है। गीता श्रमिकों को शराब की दुकानों में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी दी जा रही है। 3 किलोवाट के सोलर रूफटॉप के लिए ₹98 हजार की सब्सिडी दी जा रही है, जिसमें केंद्र सरकार की ओर से ₹78 हजार और राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त ₹20 हजार की सब्सिडी शामिल है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि पिछड़े वर्गों का ऋण चुकाना छक। सरकार की जिम्मेदारी है।

विकास पर भी ध्यान

चंद्रबाबू ने बताया कि मछली पकड़ने पर प्रतिबंध की अवधि के दौरान 1.34 लाख मछुआरा परिवारों को प्रति परिवार ₹20 हजार, यानी कुल ₹505 करोड़ की सहायता दी गई।

उन्होंने कहा कि ठब वर्ग के लिए सुरक्षा कानून लाया जा रहा है और इसका मसौदा तैयार हो चुका है। राज्य में प्रत्येक व्यक्ति को ₹2.5 लाख का यूनिवर्सल हेल्थ इंश्योरेंस उपलब्ध कराने की योजना लाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गठबंधन सरकार विकास के साथ–साथ कल्याण और सुशासन उपलब्ध कराने के लिए काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि गरीबों को भोजन के लिए परेशानी न हो, इसके लिए 5 में अन्ना कैंटीन में भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार के दौरान कुछ लोगों ने अन्ना कैंटीन को भी बंद कर दिया था। चंद्रबाबू ने कहा कि सरकार कल्याण के साथ–साथ विकास पर भी विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के दौरान राज्य की सड़कें गड्ढों से भरी हुई थीं और राज्य की स्थिति देखकर लोग मजाक उड़ाते थे।

मेडिको छात्रों को वाहन से कुचलने वाले आरोपियों पर कड़ी कार्रवाईः चंद्रबाबू

(पेन पॉवर न्यूज): अमरावती, 7 अगस्तः मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू ने राजमहेंद्रवरम में दो मेडिकल छात्रों को वाहन से टक्कर मारने की घटना में आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों को दिया है। शुक्रवार को सचिवालय में मुख्यमंत्री ने इस घटना की जानकारी ली और घायल मेडिको छात्रों प्रियंका और उमेश के स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि मेडिको छात्रों के गंभीर रूप से घायल होने की घटना बेहद दुखद है। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को घटना के पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी कथित तौर पर शराब के नशे में थे और उन्होंने कार से दोनों मेडिको छात्रों को टक्कर मारने के बाद मौके से फरार होने की कोशिश की। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया है। चंद्रबाबू ने आरोपियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि गलती करने वालों को किसी भी परिस्थिति में बख्शा नहीं जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मेडिको छात्रा प्रियंका के स्वास्थ्य की लगातार निगरानी करने और दोनों घायलों को आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। बुधवार रात दो युवक कथित तौर पर शराब के नशे में राजमहेंद्रवरम के प्रसाद आदित्य मॉल गए थे। उनकी स्थिति को देखते हुए मॉल कर्मचारियों ने ब्रेथ एनालाइजर से जांच की और उन्हें मॉल में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी। इससे दोनों युवक मॉल कर्मचारियों पर भड़क गए और उन्होंने तेज रफ्तार से कार दौड़ाई। इसी दौरान मॉल के गेट के सामने से गुजर रही एक स्कूटी को उन्होंने कार से जोरदार टक्कर मार दी। तेज रफ्तार में उन्होंने स्कूटी को दोबारा टक्कर मारी, जिससे पीछे बैठी मेडिको छात्रा सड़क पर गिर गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। इसके बाद आरोपियों ने कथित तौर पर उसी रफ्तार से कार चलाते हुए तीसरी बार उसके सिर के ऊपर से वाहन निकाल दिया। इसके परिणामस्वरूप छात्रा को ब्रेन डेड घोषित किया गया और वर्तमान में वह आईसीयू में उपचाराधीन है। स्कूटी चला रहे उसके मित्र उमेश को भी गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी राजमहेंद्रवरम के पास नामवरम के रहने वाले हैं। ब्रेन डेड घोषित की गई प्रियंका राजमहेंद्रवरम स्थित ळैस् मेडिकल कॉलेज में पीजी की पढ़ाई कर रही थीं। बेहतर चिकित्सा उपचार के लिए उन्हें हैदराबाद स्थानांतरित किया गया है।

jktenjh dkj gkn I; e M,DVj fç;dk dh ekSr

पूर्वी गोदावरी जिलाः राजमुंदरी में हुए कार हादसे में गंभीर रूप से घायल डॉक्टर प्रियंका की इलाज के दौरान मौत हो गई। वह हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में उपचाराधीन थीं। हादसे के बाद पांच दिनों तक वेंटिलेटर पर उनका इलाज चला। डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। यह हादसा 3 अगस्त को राजमुंदरी के प्रसादित्य मॉल इलाके में हुआ था, जहां एक कार ने डॉक्टर प्रियंका को टक्कर मार दी थी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। बेहतर इलाज के लिए परिजनों ने उन्हें हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। मामले में पुलिस ने राजमुंदरी निवासी सूरवरपु दस्वंत और एंड्रयू जोसेफ एडवर्ड्स को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। अदालत ने दोनों आरोपियों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया, जिसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया।

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू ने 90 वर्षीय बुजुर्ग महिला की इच्छा पूरी की

(पेन पॉवर न्यूज): बापटला, 7 अगस्तः आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू ने 90 वर्षीय बुजुर्ग महिला की उनसे मिलने और उनके साथ फोटो खिंचवाने की लंबे समय से चली आ रही इच्छा पूरी की। इसी दौरान उन्होंने अपने वादे के मुताबिक श्रीकाकुलम जिले के एक हथकरघा परिवार से भी मुलाकात की। हाल ही में चीराला की 90 वर्षीय पुष्पावती ने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से मिलने की इच्छा जताई थी। उनकी इच्छा से संबंधित एक वीडियो कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, जो वायरल हो गया।

यह वीडियो मुख्यमंत्री चंद्रबाबू के संज्ञान में आने के बाद उन्होंने बुजुर्ग महिला की इच्छा पूरी करने का फैसला किया। अंतरराष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा था कि वह चीराला में उनसे मिलकर बातचीत करेंगे। अपने वादे के मुताबिक मुख्यमंत्री चंद्रबाबू ने आज चीराला में अपनी बुजुर्ग प्रशंसक पुष्पावती से मुलाकात की। उन्होंने स्नेहपूर्वक उनका हालचाल जाना और उनसे बातचीत की। इसके बाद उनकी इच्छा के अनुसार उनके साथ फोटो खिंचवाई। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू के साथ फोटो खिंचवाने पर पुष्पावती ने खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उनकी जिंदगी की लंबे समय से चली आ रही इच्छा आखिरकार पूरी हो गई। वहीं, मुख्यमंत्री चंद्रबाबू ने श्रीकाकुलम जिले के एच्चेरला के रहने वाले हथकरघा दंपति नागेश्वर राव और लक्ष्मी से भी मुलाकात की। दंपति का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसके बाद मुख्यमंत्री ने हथकरघा दिवस के अवसर पर उनसे मिलने का वादा किया था। अपने वादे के मुताबिक उन्होंने आज चीराला में दंपति से मुलाकात की। इस अवसर पर दंपति ने हथकरघे पर बुना हुआ मुख्यमंत्री चंद्रबाबू का चित्र उन्हें भेंट किया। मुख्यमंत्री ने उस चित्र को देखा और कपड़े पर बेहद कुशलता से अपना चित्र बुनने वाले हथकरघा दंपति की सराहना की।

प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्री लोकेश की प्रशंसा की, भोगापुरम कार्यक्रम को बताया शानदार

नई दिल्लीः राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर विजयनगरम के सांसद कलिशेट्टी अप्पलनायडू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने विजयनगरम के हथकरघा कारीगरों द्वारा तैयार किए गए विशेष वस्त्र प्रधानमंत्री को भेंट किए। प्रधानमंत्री मोदी ने हथकरघा कलाकारों के कौशल और उनकी सेवाओं की सराहना की। इस दौरान आंध्र प्रदेश के भोगापुरम अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के उद्घाटन समारोह का भी उल्लेख हुआ। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के शानदार आयोजन की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री मोदी ने आंध्र प्रदेश के शिक्षा मंत्री नारा लोकेश की भी विशेष रूप से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मंत्री लोकेश के संगठनात्मक कौशल

अच्छे हैं। इस अवसर पर मोदी ने सांसद कलिशेट्टी अप्पलनायडू के अनुशासन की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि उन्होंने देखा है कि सांसद कलिशेट्टी रोजाना साइकिल से संसद आते हैं और एक जनप्रतिनिधि के रूप में उनके अनुशासन की प्रशंसा की। सांसद कलिशेट्टी की बेटी कलिशेट्टी निखिला भी इस मुलाकात में शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि भारत के साथ–साथ विदेशों में रहने वाली ळमद–ै पीढ़ी भी प्रधानमंत्री मोदी के शासन को गर्व की दृष्टि से देखती है। वहीं, निखिला ने प्रधानमंत्री से कहा कि आंध्र प्रदेश में मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू के शासन से लोग काफी संतुष्ट हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भी उनकी बात से सहमति जताई। इस मुलाकात के दौरान राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर देशवासियों और हथकरघा बुनकरों को शुभकामनाएं दीं।

2,493 करोड़ की रिकहृर्ड आय के साथ साउथ कोस्ट रेलवे देश का सर्वश्रेष्ठ जोन बना

नई दिल्ली, 7 अगस्तः केंद्रीय रेल मंत्रालय ने बताया कि विजाग रेलवे जोन ने रिकॉर्ड स्तर पर प्रगति हासिल की है। मंत्रालय के अनुसार, साउथ कोस्ट रेलवे सालाना 2,493 करोड़ की आय के साथ देश का सर्वश्रेष्ठ रेलवे जोन बनकर उभरा है। मंत्रालय ने कहा कि बेहद कम समय में ही ब्वत ने अपनी क्षमता और प्रदर्शन का शानदार परिचय दिया है।

केंद्र ने बताया कि आंध्र प्रदेश में वर्तमान में 54,000 करोड़ की लागत वाले रेलवे विकास कार्य चल रहे हैं, जबकि 71,000 करोड़ की लागत वाली परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं। विशाखापत्तनम रेलवे यार्ड के आधुनिकीकरण के लिए ₹300 करोड़ मंजूर किए गए हैं।

केंद्रीय रेल मंत्रालय ने यह भी बताया कि गुत्तीदृबल्लारी चार–लाइन विस्तार के लिए 1,205 करोड़ आवंटित किए गए हैं। विजयवाड़ा को प्रमुख मंडलीय केंद्र बनाकर रेलवे विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। पांच नई रेलवे लाइनें और 24 मल्टी–ट्रैकिंग परियोजनाएं विभिन्न चरणों में हैं। रेल सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए 100 इंजनों में 'कवच' (इंअंबी) प्रणाली स्थापित की गई है। मंत्रालय ने बताया कि 2026 के अंत तक पहले 100 किलोमीटर के क्षेत्र में कवच प्रणाली पूरी तरह से उपलब्ध हो जाएगी।

विशाखापत्तनम रेलवे यार्ड के पुनर्विकास के तहत छह नए प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराए जाएंगे। तिरुपति रेलवे स्टेशन पर श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए 20 करोड़ की लागत से विशेष व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं। रेल दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए पूरे आंध्र प्रदेश में 300 से अधिक रोड ओवर ब्रिज और रोड अंडर ब्रिज बनाए जा रहे हैं। आगामी गोदावरी पुष्करालु को ध्यान में रखते हुए यात्रियों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए अग्रिम समीक्षा भी पूरी कर ली गई है। रायनपाडु और मंगलागिरी समेत 70 से अधिक रेलवे स्टेशनों पर 'अमृत भारत' योजना के तहत आधुनिकीकरण के कार्य जारी हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए विजयवाड़ा रेलवे स्टेशन पर 'स्लीपिंग पॉड्स' और विशाखापत्तनम रेलवे स्टेशन पर 'डेक्कन चाय' जैसी आधुनिक सुविधाएं भी शुरू की गई हैं।

कुरनूल में टीडीपी कार्यकर्ता की बेरहमी से हत्या

कुरनूल, 7 अगस्तः शहर के मासूम बाशा दरगाह के पास तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के कार्यकर्ता 37 वर्षीय इंतियाज की बेरहमी से हत्या कर दी गई। गुरुवार आधी रात को कथित तौर पर पैसों के विवाद को लेकर दो लोगों का इंतियाज से झगड़ा हुआ। इस दौरान दोनों ने उस पर पत्थरों से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल इंतियाज की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इंतियाज के परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया और उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस को संदेह है कि इंतियाज और दो अन्य लोगों के बीच पैसों को लेकर हुए विवाद के कारण ही यह हत्या हुई। हालांकि, पुलिस को यह भी संदेह है कि इंतियाज पर हमला करने वालों में से एक का पूर्व में दर्ज एक हत्या के मामले से संबंध रहा है। मृतक के राजनीतिक दल से जुड़े होने के कारण पुलिस ने सतर्कता बढ़ा दी है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि हत्या के पीछे वास्तविक कारण क्या था और क्या इस घटना में किसी अन्य व्यक्ति की भी संलिप्तता है। इंतियाज की मौत से उनके परिवार में मातम पसरा हुआ है। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

संपादकीय

संस्थाओं के ऊपर से लोगों का भरोसा समाप्त

एक एक करके इस देश की हर संस्था की साख खत्म होती जा रही है और संस्थाओं के ऊपर से लोगों का भरोसा समाप्त है, और इसका नया आयाम कॉकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी की ओर से जंतर मंतर पर हुए प्रदर्शन शुरू हुआ घटनाक्रम भी है। ध्यान रहे देश दो चीजों पर भरोसे से चलता है। पहली चीज है इलेक्शन और दूसरी चीज है एग्जामिनेशन। इन दोनों पर भरोसे का संकट है। एक के बाद एक चुनाव जीतने की जिद में भाजपा ने ऐसे काम किए, जिनसे लोगों का भरोसा घटा। यह सिर्फ विपक्षी पार्टियों का मामला नहीं है। आम लोगों के मन में भी यह धारणा बैठ गई है कि कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है। यह धारणा बनवाने में भाजपा का इकोसिस्टम भी समान रूप से जिम्मेदार है। 'मोदी है तो मुमकिन है' का नारा भी इस धारणा को मजबूत करता है। भाजपा इकोसिस्टम के लोग अमित शाह की लार्जर दैन लाइफ छवि बनाने के लिए ऐसा प्रचार करते हैं कि वे जहां हाथ डाल देंगे वहां कामयाबी मिलेगी। रील्स और वीडियो बना कर प्रचारित कराया जाता है कि वे जहां चाहेंगे वहां चुनाव जिता देंगे। पश्चिम बंगाल की जीत के बाद यह प्रचार तेज हुआ है। लोकसभा चुनाव में भाजपा 240 सीट पर आ गई थी। लेकिन उसके बाद महाराष्ट्र से लेकर हरियाणा और दिल्ली व बिहार में जैसे वह जीती है उससे भी लोगों के मन मे यह धारणा बैठी कि कुछ भी हो जाए भाजपा जीतेगी। इससे चुनाव आयोग के साथ साथ चुनाव की विश्वसनीयता प्रभावित हुई। भाजपा के लोग मजाक में ही सही लेकिन इस धारणा का प्रचार करते हैं कि वोट किसी को दीजिए, वह जाएगा भाजपा के खाते में और चुनाव कोई जीते सरकार भाजपा बनाएगी। इन बातों से समूची चुनाव प्रक्रिया संदेह के घेरे में आई है। जंतर मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान जिस तरह से मीडिया के एक समूह ने प्रदर्शनकारियों को विलेन बना कर सरकार का एजेंडा चलाया उसने मीडिया की विश्वसनीयता को और कम किया। इससे पहले दूसरे प्रदर्शनों में भी ऐसा ही होता था परंतु किसान हों या शाहीन बाग के प्रदर्शनकारी वे 'जेन जी' की तरह मुखर या सामने से प्रतिवाद करने वाले नहीं थे। लेकिन युवाओं ने प्रतिवाद किया और यह देखने को मिला कि उन्होंने मुख्यधारा की मीडिया को लगभग समूचे आंदोलन से बाहर रखा। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए नैरेटिव बनाया या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को ही आंदोलन की जगह बना दिया। कई मीडियाकर्मियों के साथ जंतर मंतर पर जो हुआ वह भरोसे की कमी का ही संकेत है। प्रदर्शन समाप्त करने के लिए दो केंद्रीय मंत्रियों ने सीजेपी के प्रदर्शनकारियों से वार्ता की और उनकी सारी मांगें मान लीं लेकिन उसके बाद भी छात्रों और युवाओं पर कार्रवाई नहीं रूकी और अब सुप्रीम कोर्ट के एक अंतरिम आदेश के बहाने छात्रों की श्रेणियां बना कर उनके खिलाफ कार्रवाई हो रही है। प्रदर्शनकारियों में आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोग अलग छांटे जा रहे हैं। नाबालिग और बालिग छात्रों की अलग श्रेणी बन रही है। ऐसे में छात्र या युवा किस पर भरोसा करेंगे? उनका भरोसा न तो राजनीतिक नेतृत्व पर है और न अदालत पर। पुलिस या किसी और सुरक्षा एजेंसी पर उनका भरोसा नहीं होगा क्योंकि राजनीतिक नेतृत्व के कहने पर उनके साथ जैसा बरताव हुआ वह बहुत खराब था। बाद में उलटे पुलिस वालों के परिजनों से प्रेस कॉन्फ्रेंस करा कर उनको विक्टिम और छात्रों को उपद्रवी साबित करने का प्रयास हुआ। सो, चाहे सरकार हो, सत्तारूढ़ दल हो, मीडिया हो, पुलिस या सुरक्षा बल हों या अदालत हो, छात्रों और युवाओं की नजर में किसी की साख नहीं बची। फिल्मों की साख पहले से नहीं थी लेकिन इन दिनों प्रोपेगेंडा फिल्मों का ऐसा दौर आया है कि उनके जरिए भी भारत की खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों के कामकाज का मजाक बनाया जा रहा है। उनकी भी साख दांव पर लगाई जा रही है। तब बचने या बचाने के लिए बचेगा क्या?

नवजात का पहला सुरक्षा कवच- स्तनपान और इसका सामाजिक महत्व

विश्व स्तनपान सप्ताह हर साल 1 से 7 अगस्त तक मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य शिशु के स्वास्थ्य के लिए माँ के दूध के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक करना है। जन्म के पहले घंटे के भीतर स्तनपान शुरू करना और शुरुआती छह महीने तक केवल माँ का दूध ही देना बच्चे के लिए सबसे जरूरी है। स्तनपान के दौरान त्वचा से त्वचा का संपर्क मां और बच्चे के बीच भावनात्मक बंधन को मजबूत करता है, जिससे आराम, गर्माहट और सुरक्षा की भावना मिलती है जो स्वस्थ भावनात्मक विकास में सहायक होती है। हर साल 1 अगस्त से 7 अगस्त तक दुनिया भर में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य माताओं और समाज को शिशुओं के स्वास्थ्य के लिए स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूक करना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के अनुसार, शिशु के जन्म के बाद पहला घंटा और शुरुआती छह महीने उसका पूरा जीवन संवारने में सबसे निर्णायक भूमिका निभाते हैं। स्तनपान करने वाले शिशुओं में दस्त, निमोनिया, कान के संक्रमण और कुछ श्वसन संबंधी संक्रमण जैसी आम बचपन की बीमारियों का खतरा कम होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, इष्टतम स्तनपान शिशुओं को जानलेवा संक्रमणों से बचाकर विश्व स्तर पर प्रतिवर्ष लाखों शिशु मृत्यु को रोकने की क्षमता रखता है। जन्म के पहले कुछ घंटों में, माँ का दूध सिर्फ़ भोजन नहीं होता, बल्कि यह नवजात शिशु की प्रतिरक्षा की पहली खुराक होती है, जो सीधे माँ के शरीर से बच्चे तक पहुँचती है। जन्म के बाद का पहला घंटा, जिसे अक्सर गोल्डन आवर कहा जाता है, स्तनपान शुरू करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान बच्चे स्वाभाविक रूप से सतर्क रहते हैं और सहज रूप से स्तन की तलाश करते हैं। त्वचा से त्वचा का शुरुआती संपर्क न केवल सफल स्तनपान की दर को बढ़ाता है, बल्कि बच्चे के तापमान, हृदय गति और रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में भी मदद करता है। शिशु के जन्म के तुरंत बाद (एक घंटे के भीतर) मां का पहला गाढ़ा पीला दूध, जिसे कोलस्ट्रम कहा जाता है, बच्चे का पहला प्राकृतिक टीका होता है। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीबॉडीज, प्रोटीन और विटामिन होते हैं, जो नवजात शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती प्रदान करते हैं और उसे विभिन्न प्रकार के संक्रमणों से बचाते हैं। चिकित्सकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की स्पष्ट सलाह है कि जन्म से लेकर 6 महीने की उम्र तक बच्चे को केवल मां का दूध ही देना चाहिए। इस अवधि के दौरान बच्चे को पानी, ऊपर का दूध या शहद जैसी चीजें देने की बिल्कुल भी आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि मां के दूध में बच्चे की प्यास और भूख बुझाने के लिए सही अनुपात में पानी और सभी आवश्यक पोषक तत्व मौजूद होते हैं। 6 महीने पूरे होने के बाद, स्तनपान जारी रखते हुए बच्चे को धीरे-धीरे ऊपरी पौष्टिक आहार देना शुरू किया जा सकता है, जिसे 2 साल या उससे अधिक समय तक जारी रखा जा सकता है। शिशु के लिए स्वास्थ्य वरदान है, स्तनपान कराने से बच्चों में दस्त, निमोनिया, कान के संक्रमण और कुपोषण का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। अध्ययनों से सिद्ध हुआ है कि स्तनपान करने वाले बच्चों का बौद्धिक विकास और मानसिक स्वास्थ्य अन्य बच्चों की तुलना में बेहतर होता है। यह आगे चलकर बच्चों में मोटापा, डायबिटीज और अस्थामा जैसी क्रोनिक बीमारियों की संभावना को घटाता है। स्तनपान कराने से माताओं में स्तन कैंसर और अंडाशय के कैंसर का जोखिम कम होता है। यह प्रसव के बाद वजन घटाने और गर्भाशय को पुनः सामान्य आकार में लाने में मदद करता है। मां और बच्चे के बीच एक भावनात्मक और अटूट संबंध स्थापित होता है। स्तनपान केवल एक मां की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह परिवार और समाज की साझी जिम्मेदारी है। अक्सर देखा जाता है कि जानकारी के अभाव, सामाजिक रूढ़ियों, या कामकाजी माहौल में सुविधाओं की कमी के कारण महिलाएं समय पर स्तनपान नहीं करा पातीं। प्रसव के बाद मां को सही पोषण, मानसिक शांति और आराम मिलना आवश्यक है ताकि वह बिना किसी तनाव के बच्चे को स्तनपान करा सके।

मिलावटखोरों के खिलाफ भी करना पड़ेगा देशव्यापी आंदोलन

हाल ही में देश के एक बड़े अखबार ने इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्ट में जो दावा किया है, उसने सबकी नींदे उड़ा दी है। इस रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि उत्तर प्रदेश की कई आटा मिलों में गेंहू के आटे में सफेद पत्थर का चूरा यानी स्टोन पाउडर मिलाया जा रहा है। संसद भवन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध लगातार जारी है और वहीं देश के तीन राज्यों की तीन विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजों पर भी मीडिया में काफी चर्चा हो रही है। लेकिन इस बीच कई ऐसी खबरें भी लगातार निकल कर सामने आ रही है, जिसपर बड़े पैमाने पर चर्चा, वाद-संवाद और कार्रवाई की जरूरत है। लेकिन इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या होगा कि देश के सभी लोगों के जीवन से जुड़े इतने महत्वपूर्ण मसले पर चर्चा करने का समय किसी के पास नहीं है। सत्ता में बैठने वाली किसी भी सरकार (चाहे वो किसी भी राजनीतिक दल की हो) के पास इसके समाधान का कोई स्थायी फॉर्मूला या विज़न नहीं है, विपक्ष के पास भी इस पर बात करने की फुर्सत नहीं है और सरकारी अधिकारी अपने में ही मस्त है। मिलावटखोरी की समस्या अब हमारे देश की सबसे बड़ी भयावह समस्या बनती जा रही है, जिस पर रोक लगाने के लिए अब बड़े स्तर पर कदम उठाए बिना कोई बात नहीं बनेगी। देश में कानून भी है, नियम भी है, निगरानी के लिए विभाग भी है और अधिकारी भी है लेकिन फिर भी ऐसा लगता है कि मिलावटखोरों को किसी भी बात का कोई डर ही नहीं है। हाल ही में देश के एक बड़े अखबार ने इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्ट में जो दावा किया है, उसने सबकी नींदे उड़ा दी है। इस रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि उत्तर प्रदेश की कई आटा मिलों में गेंहू के आटे में सफेद पत्थर का चूरा यानी स्टोन पाउडर मिलाया जा रहा है। मुनाफाखोरी के लालच में ये मिलावटखोर हमें पत्थर वाले आटे से बनी रोटी खाने को मजबूर कर रहे हैं। जबकि ये भी जानते हैं कि इस मिलावटी आटे से बनी रोटी को खाने से लोगों के शरीर पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ेंगे। आजकल लोगों के घरों से लेकर, फ़ास्ट फ़ूड, शादी-ब्याह और पार्टियों तक में सबसे ज्यादा पनीर का इस्तेमाल किया जाता है। कई एक्सपर्ट/ जिम ट्रेनर तो बॉडी को मजबूत बनाने के लिए भी पनीर खाने की सलाह देते हैं। लेकिन पनीर में मैदा या अरारोट मिलाना और स्किम्ड मिल्क पाउडर एवं वनस्पति तेल का इस्तेमाल कर सिंथेटिक या नकली पनीर बनाना तो आम बात हो गई है। बल्कि ऐसे गंभीर मामले भी कई बार सामने आए हैं, कि डिटर्जेंट या यूरिया से बने दूध का भी इस्तेमाल कर पनीर बनाया और बेचा जाता है। महाराष्ट्र सरकार ने कुछ दिन पहले ही, राज्य में एनालॉग पनीर यानी नॉन डेयरी पनीर के निर्माण, बिक्री, भंडारण, परिवहन और वितरण पर यह कहते हुए प्रतिबंध लगा दिया कि असली पनीर बताकर इसे बेचना उपभोक्ताओं को गुमराह करना है। महाराष्ट्र सरकार ने सार्वजनिक स्वास्थ्य का हवाला देते हुए अपने आदेश में सख्त शब्दों में कहा कि नियम तोड़ने वालों पर खाद्य सुरक्षा कानून के तहत कड़ी कार्रवाई होगी। अपराध की गंभीरता के आधार पर 6 महीने तक की जेल और एक लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इससे पहले छत्तीसगढ़ सरकार भी एनालॉग पनीर यानी नॉन डेयरी पनीर को लेकर ऐसा ही

फैसला कर चुकी है। सबसे अधिक दुःखद और परेशानी में डालने वाला तथ्य तो यह है कि देश की नामी-गिरामी कंपनियां भी उपभोक्ताओं को धोखा देने का कोई मौका नहीं चूकती है। रोजमर्रा की जरूरत का कई सामान बेचने वाली एफएमसीजी कंपनी डाबर को लेकर भी चौंकाने वाली ख़बर सामने आई है। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने डाबर द्वारा किए जा रहे ' 100% प्योर', '100% ऑर्गेनिक' और '100% नेचुरल' जैसे दावों को भ्रामक बताते हुए ऐसे प्रोडक्ट्स की बिक्री को तुरंत रोकने का आदेश दे दिया है। इन प्रोडक्ट्स में शहद, गाय का देसी घी, तिल का तेल और नारियल पानी जैसी कई चीजें शामिल हैं। डाबर को 15 दिनों के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट भी जमा करने को कहा गया है। इससे पहले भी कई नामी-गिरामी और बड़ी कंपनियों के प्रोडक्ट्स पर गंभीर सवाल उठ चुके हैं। सबसे बड़ी विडंबना तो यह है कि यही कंपनियां जब विदेश खासकर अमेरिका या यूरोपीय देशों में कोई सामान बेचती है तो उसकी क्वालिटी का खास ध्यान रखती है लेकिन भारतीयों के लिए इनका एटीट्यूड 'सब चलता है टाइप' ही होता है। लोग पैसे खर्च करने को तैयार हैं ताकि उन्हें शुद्ध आटा, दाल, चावल, मसाले, चीनी, दूध, घी, खाद्य तेल, सब्जियां, पनीर, शहद, पानी और अन्य सामान मिल सके। लेकिन ज्यादा खर्च के बाद भी उनके साथ न केवल ठगी की जा रही है बल्कि लोग गंभीर बीमारियों के भी शिकार होकर मरते भी जा रहे हैं। लेकिन क्या सिर्फ कानून बना देने से इस भयावह समस्या का समाधान हो जाएगा, कतई नहीं। इसके लिए युद्धस्तर पर एक मिशन के तहत कई मोर्चों पर एक साथ काम करना पड़ेगा। नकली सामानों को बनने के स्तर पर ही रोकना होगा, इसके लिए उत्तरदायी विभाग में मैन पावर बढ़ाने के साथ ही उनकी जिम्मेदारी भी तय करनी होगी। इससे जुड़े विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को हर महीने अपनी संपत्ति का ब्यौरा भी ऑनलाइन भरना चाहिए। ऐसे मामलों को निपटाने के लिए फ़ास्ट ट्रैक कोर्ट बनाकर फैसले की समय सीमा भी तय करनी होगी। इसके साथ ही बड़े पैमाने पर कई अन्य कदम भी उठाने होंगे। लेकिन बड़ा सवाल तो यही है कि क्या हमारी सरकार, अधिकारी, अदालत और नेता..ये सब इसके लिए तैयार हैं?

अब शिवाजी, चंद्रशेखर आज़ाद, भगत सिंह जैसे लोग क्यों नहीं

रोल-प्लेइंग (भूमिका निभाने वाले) सीन और ग्रुप डिस्कशन, जो सामाजिक स्थितियों और उनके नतीजों को समझते हैं, सही व्यवहार सिखाने और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने में बहुत असरदार हो सकते हैं। माता-पिता अपने बच्चों और दूसरों के साथ बातचीत में सम्मानजनक व्यवहार का उदाहरण पेश करके अहम भूमिका निभा सकते हैं। आज के एक-दूसरे पर निर्भर समाज में युवाओं, खासकर जेनरेशन जेड (जेन ज़ी) का व्यवहार समाज के लिए बहुत चिंता का विषय बनता जा रहा है। उन्हें अक्सर बेसब्री, बिना सोचे-समझे सोचने की आदत और कुछ मामलों में, बुरे बर्ताव वाला माना जाता है। यह सोच, हालांकि आम हो सकती है, और हर व्यक्ति में अलग-अलग भी हो सकती है। लेकिन यह इसके अंदरूनी कारणों और समाज की संभावित प्रतिक्रियाओं की एक ज़रूरी जांच को बढ़ावा देती है। इन उभरते हुए पैटर्न को समझने के लिए एक बहुआयामी नज़रिए की ज़रूरत है, जिसमें टेक्नोलॉजी में तरक्की, पढ़ाई के बदलते तरीकों, पेरेंटिंग स्टाइल में बदलाव और बड़े सामाजिक-सांस्कृतिक माहौल के गहरे असर को माना जाए। यह आवश्यक है कि जेन ज़ी में इन आदतों के पीछे के संभावित कारणों पर गहराई से चर्चा हो, जिसमें डिजिटल इमर्शन, तुरंत मिलने वाले फ़ायदे का असर, जानकारी लेने का बदलता तरीका और उनके विकास को आकार देने वाले बदलते सामाजिक ढाँचों पर विचार किया जाए। तदनुसार, समाज ऐसे सुधार करें जिनसे इस पीढ़ी में ज़्यादा सब्र रखने, ज़्यादा तार्किक सोच विकसित करने

और सम्मानजनक बातचीत को बढ़ावा मिलें। जेन ज़ी को बनाने वाले सबसे बड़े और असरदार कारणों में से एक है, हाइपर-कनेक्टेड डिजिटल दुनिया में उनकी परवरिश। कम उम्र से ही, यह पीढ़ी ऐसे माहौल में रही है जहाँ जानकारी, मनोरंजन और बातचीत उनकी उंगलियों पर आसानी से मिल जाती है। स्मार्टफ़ोन, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म और हाई-स्पीड इंटरनेट ने तुरंत मिलने वाले फ़ायदे का एक इकोसिस्टम बनाया है। अपडेट के साथ नोटिफ़िकेशन आते हैं, न्यूज़ साइकिल मिनटों में रिफ्रेश हो जाती हैं, और मनोरंजन ऑन डिमांड उपलब्ध होता है। तुरंत फ़ीडबैक और आसानी से मिलने वाले कंटेंट की यह लगातार स्ट्रीम अनजाने में ही डेवलप हो रहे दिमाग को जल्दी नतीजे और तुरंत इनाम की उम्मीद करने के लिए ट्रेन कर सकती है। इसलिए, जिन हालात में सब्र की ज़रूरत होती है, जैसे जवाब का इंतज़ार करना, कोई लंबा काम पूरा करना, या धीरे-धीरे, सोच-समझकर सीखना, वे फ्रस्ट्रेटिंग और अनचाही लग सकती हैं। ऑनलाइन बातचीत का तेज़ नेचर, जहाँ छोटे मैसेज और थोड़ी देर का कंटेंट ज़्यादा होता है, लगातार ध्यान और गहरी बातचीत के लिए कम टॉलरेंस में भी योगदान दे सकता है, जिससे बेसब्री का कल्चर बढ़ता है। उदाहरण के लिए, मैसेजिंग ऐप पर तुरंत जवाब की उम्मीद या सोशल मीडिया फ़ीड पर तेज़ी से स्क्रॉल करने से लोग तुरंत संतुष्टि की उम्मीद करने लगते हैं, जिससे असल दुनिया की बातचीत की धीमी रफ़्तार मुश्किल लगने लगती है। नई चीज़ों और तेज़ी से जानकारी के इस लगातार संपर्क से बोरियत की क्षमता भी कम हो सकती है, एक ऐसी स्थिति जो अक्सर सोचने और क्रिएटिव प्रॉब्लम-सॉल्विंग स्किल्स के विकास को बढ़ावा देती है। जब डिजिटल ध्यान भटकाने वाली चीज़ों से बोरियत तुरंत दूर हो जाती है, तो सब्र और सेल्फ-रेगुलेशन विकसित करने के मौके कम हो जाते हैं। डिजिटल युग ने जानकारी को डेमोक्रेटाइज़ कर दिया है, जिससे यह पहले से कहीं ज़्यादा आसानी से मिलने वाली हो गई है। लेकिन, इस एक्सेसिबिलिटी के साथ एक बड़ी चुनौती आती है: उपलब्ध जानकारी की बहुत ज़्यादा मात्रा और अक्सर अनवेरिफाइड नेचर। जेन ज़ी, जो इस बहुतायत के साथ बड़ा हुआ है, अक्सर शॉर्ट-फॉर्म कंटेंट, सोशल मीडिया फीड्स और वायरल ट्रेंड्स के ज़रिए जानकारी लेता है। इस्तेमाल का यह तरीका क्रिटिकल इवैल्यूएशन और लॉजिकल एनालिसिस के बजाय इमोशनल रेजोनेंस और तुरंत एंगेजमेंट को प्रायोरिटी दे सकता है। कई डिजिटल प्लेटफॉर्म को कंट्रोल करने वाले एल्गोरिदम यूज़र्स को एंगेज रखने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, अक्सर ऐसा कंटेंट दिखाकर जो उनके मौजूदा बायस से मेल खाता है या मज़बूत इमोशनल रिस्पॉन्स को उकसाता है। इससे इको चैंबर बन सकते हैं, जहाँ लोग मुख्य रूप से उन नज़रियों के संपर्क में आते हैं जो उनके अपने नज़रियों को कन्फर्म करती हैं, जिससे अलग-अलग नज़रियों से जुड़ने और बारीक समझ डेवलप करने की उनकी क्षमता में रुकावट आती है। नतीजतन, भरोसेमंद सोर्स और गलत जानकारी के बीच अंतर करना एक मुश्किल काम बन जाता है। 'फेक न्यूज़' और सेंसेशनलाइज़्ड कंटेंट के फैलने से युवाओं के लिए मज़बूत क्रिटिकल थिंकिंग स्किल्स डेवलप करना मुश्किल हो सकता है। इसके अलावा, कम जानकारी के आधार पर जल्दी से राय बनाने का दबाव, जो अक्सर ऑनलाइन बहस और तेज़ी से की जाने वाली कमेंट्री से और बढ़ जाता है, बेतुके तर्कों को अपनाने या बिना सबूत वाले दावों को मानने की ओर ले जा सकता है। उदाहरण के लिए, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कॉन्सपिरेसी थ्योरी की लोकप्रियता, जिनमें अक्सर अनुभव के सबूत नहीं होते लेकिन वे भावनात्मक रूप से मज़बूत होती हैं, यह दिखाती है कि बिना वेरिफ़ाई की गई जानकारी कैसे लोगों का ध्यान खींच सकती है और तर्क पर असर डाल सकती है। उन्हें कैसे जांचा जाए, इस बारे में पूरी गाइडेंस के बिना विभिन्न नज़रिया के लगातार संपर्क में रहने से कन्फ्यूजन हो सकता है और सिस्टमैटिक, लॉजिकल तरीकों के बजाय ह्यूरिस्टिक्स या भावनात्मक अपील पर भरोसा हो सकता है। 'मैनर्स' की परिभाषा खुद एक जैसी नहीं है; यह सोशल नॉर्म्स और टेक्नोलॉजी में बदलाव के साथ बदलती रहती है। जेन जी की बातचीत काफी हद तक डिजिटल कम्युनिकेशन पर निर्भर करती है। टेक्स्टिंग, डायरेक्ट मैसेजिंग और ऑनलाइन कमेंट्स में अक्सर बिना बोले इशारे, आवाज़ का टोन और सोशल कॉन्टेक्स्ट की कमी होती है जो आमने-सामने की बातचीत के लिए ज़रूरी हैं। उदाहरण के लिए, एक साफ-साफ टेक्स्ट मैसेज भेजने वाले के लिए एक अच्छी बातचीत हो सकती है, लेकिन पाने वाला इसे खारिज करने वाला या बदतमीज़ी समझ सकता है, खासकर अगर उसमें ग्रीटिंग या आखिर में बात करने जैसी आम तमीज़ न हो। इसके अलावा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से मिलने वाली गुमनामी या दूरी से हिचकिचाहट कम हो सकती है, जिससे ज़्यादा गुस्सैल या बेपरवाह व्यवहार हो सकता है जो शायद सीधे, आमने-सामने की मुलाकातों में न हो। इसके अलावा, पेरेंटिंग स्टाइल में बदलाव, कुछ स्टडीज़ में ज़्यादा छूट देने वाली पेरेंटिंग का ट्रेंड बताया गया है, अनजाने में बच्चों के लिए ज़रूरी सोशल दक्षता, जैसे हमदर्दी, झगड़े सुलझाना, और अथॉरिटी वाले लोगों या अलग राय का सम्मान करने के मौके कम कर सकता है। जब बच्चों को नतीजों से बचाया जाता है या सही सोशल बिहेवियर के लिए लगातार गाइड नहीं किया जाता है।

आज का राशि फल

मेष राशि: आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, नया केस हाथ लगेगा। आज खास लोगों के बीच किसी नई गतिविधि को लेकर गंभीर चर्चा होगी, जो कि सकारात्मक रहेगी। आज किसी मामले को लेकर विचारों में भावुकता रहेगी। आज कुछ लोग जलन की भावना से आपकी आलोचना कर सकते हैं।

वृष राशि: आज आपका दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज व्यवसायिक काम समय पर बनते जाएंगे। विदेश संबंधी व्यवसाय में परिस्थितियां आपके अनुकूल होने के आसार हैं। आज ऑफिस में सहयोगियों की कार्यकुशलता से टारगेट समय पर पूरा हो जाएगा।

मिथुन राशि: आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। आज आप लेखन कार्यों में रुचि लेंगे आपका लेखन और अच्छा होगा। आज आपकी बातें दूसरों पर प्रभाव डालेगी। आज रोजमर्रा के कामों से हटकर कुछ नया सीखने में समय बीतेगा। प्रॉपर्टी या वाहन की खरीददारी में लाभ की बेहतर स्थिति बनेगी। आध्यात्म और धार्मिक गतिविधियों में आपका रुझान बढ़ेगा।

कर्क राशि: आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। थोड़ी सी बात पर परेशान होने के बजाय उसका हल ढूंढने की कोशिश करेंगे तो आपको सलूशन मिल जायेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है।

सिंह राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज व्यवसाय में अतिरिक्त आय का साधन बनने वाला है। अगर आपका साझेदारी में बिजनेस करने का प्लान है तो ये डील आपके लिए फायदेमंद होगी। अधिकतर समय मार्केटिंग और बाहर की गतिविधियों में बीतेगा। इस राशि के सरकारी नौकरी कर रहे लोग अपने कार्यभार से संतुष्ट रहेंगे। आपको घर के बड़ो से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा।

कन्या राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज ध्यान रखें कि अगर प्रयासरत कार्यों में समस्या आती है तो इसकी वजह आपकी एकाग्रता में कमी होगी। आज सम्मानित और प्रभावशाली लोगों के संपर्क में आने से आपको कई नए विषयों की जानकारी मिलेगी। आज घर के लिए इलेक्ट्रॉनिक वस्तु की खरीदारी संभव है। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। आज किसी समस्या को हल करने में आपका सहयोग सकारात्मक रहेगा। आस-पड़ोस की सामाजिक गतिविधियों में आपका वर्चस्व रहेगा। प्रॉपर्टी से संबंधित काम हल होगा। आज नकारात्मक लोगों से दूर रहेंगे और आलस की स्थिति से बचेंगे तो आपका काम समय से पूरा हो जायेगा।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज कार्यों को सुचारु रूप से करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी होगी। हालांकि सही समय पर उचित निर्णय लेने से आपकी काफी समस्याएं हल हो जाएंगी। इस समय नया कार्य शुरू न करें, आज के कामों को ही व्यवस्थित करने पर ध्यान देंगे। ऑफिस में आपका प्रभुत्व बना रहेगा। नवविवाहित दंपत्ति के बीच आज मीठी नोक-झोक होगी, इससे रिश्तों में और मिठास आयेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

धनु राशि: आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज जल्दबाजी में फैसला न लें, न ही दूसरों के मामले में हस्तक्षेप करें। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाने की योजना बनायेंगे। साथ ही आय बढ़ाने के लिए नया प्लान बनायेंगे। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने का मन बनायेंगे। कला जगत से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मकर राशि: आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। छात्रों को आज बहुत अधिक मेहनत करने की जरूरत है। आज आप लेनदेन को स्थगित रखेंगे तो आने वाली किसी समस्या से बच जायेंगे। इस राशि के लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे, जिससे उनके अंदर आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आपकी ऑफिशियल यात्रा संभव है।

कुंभ राशि: आज का दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपका दिन खुशनुमा बीतेगा। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगें। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। ऑफिस के काम को थोड़ा संभलकर करने की जरूरत है, आपके काम की शिकायत कर सकता है। आज किसी से भी उलझने से आपको बचना चाहिए।

मीन राशि: आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुये है। आज व्यक्तिगत काम के समय आप घबराने की बजाय परिस्थितियों का समाधान ढूंढने का प्रयास करेंगे और इसमें आप सफल भी होंगे। परिवारिक सदस्य की किसी उपलब्धि से घर में उत्सव का माहौल रहेगा। मार्केटिंग की जॉब कर रहे लोगों से आज अच्छा क्लाइंट जुड़ेगा।

'मी मार्ट' के माध्यम से सस्ती दरों पर 64 प्रकार की गुणवत्तापूर्ण आवश्यक वस्तुएँ: मंत्री नादेन्दला मनोहर

काकीनाडा, 7 अगस्तः नागरिक आपूर्ति मंत्री नादेन्दला मनोहर ने कहा कि सरकार का लक्ष्य उचित कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण आवश्यक वस्तुएँ उपलब्ध कराकर कीमतों को स्थिर रखना है। काकीनाडा में विशेष चावल बिक्री केंद्रों का उद्घाटन करते हुए उन्होंने बताया कि बीपीटी स्टीम चावल ध्52 प्रति किलोग्राम और रॉ राइस ध्50 प्रति किलोग्राम (प्रति परिवार 10 किलोग्राम तक) उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राशन दुकानों को 'मी मार्ट' में बदलकर 64 प्रकार की गुणवत्तापूर्ण आवश्यक वस्तुएँ रियायती दरों पर उपलब्ध कराई जाएँगी। जल्द ही राशन दुकानों के माध्यम से अरहर दाल और पाम तेल भी वितरित किया जाएगा। वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों के लिए घर–घर राशन वितरण की सुविधा भी जारी रहेगी।

आदित्य विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता पर संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित

गंडेपल्ली, 7 अगस्तः सूरमपालेम स्थित आदित्य विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस में "उच्च शिक्षा में गुणवत्ता : शैक्षणिक नेतृत्व की भूमिका दृ एक रोडमैप" विषय पर एआईएमएस राउंड टेबल संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया।
कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एआईएमएस के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं दक्षिण क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष प्रो. पी. नारायण रेड्डी ने प्रबंधन शिक्षा में गुणवत्ता बढ़ाने में शैक्षणिक नेतृत्व की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से प्राचार्य, प्राध्यापक एवं शैक्षणिक विशेषज्ञों ने भाग लेकर उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की।

औद्योगिक विकास के लिए निवेशकों के अनुकूल वातावरण बनाने के निर्देश

विशाखापट्टनम, 7 अगस्तः जिला कलेक्टर एम. अभिषिक्त किशोर ने अधिकारियों को औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने तथा निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने हेतु समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। जिला उद्योग एवं निर्यात प्रोत्साहन समिति की बैठक में उन्होंने उद्योगों से संबंधित शिकायतों के शीघ्र निस्तारण और सिंगल डेस्क पोर्टल के माध्यम से समय पर अनुमतियां जारी करने पर जोर दिया। कलेक्टर ने एमएसएमई इकाइयों को प्रोत्साहन राशि समय पर उपलब्ध कराने, औद्योगिक अवसंरचना विकसित करने, रोजगार योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने तथा "डिस्ट्रिक्ट ऐज एक्सपोर्ट हब" कार्यक्रम के तहत स्थानीय उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के निर्देश दिए।

प्रतिदिन कम से कम 70 दावों और आपत्तियों का निस्तारण करें: निर्वाचन नामावली पर्यवेक्षक

विजयवाड़ा, 7 अगस्तः एनटीआर जिले के निर्वाचन नामावली पर्यवेक्षक एम. वी. शेषगिरि बाबू ने अधिकारियों को विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत प्रतिदिन कम से कम 70 दावों और आपत्तियों की सुनवाई कर उनका निस्तारण करने के निर्देश दिए। शुक्रवार को विजयवाड़ा कलेक्ट्रेट में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि प्रत्येक दावा और आपत्ति की पारदर्शी जांच कर नोटिस जारी होने के सात दिनों के भीतर उसका निपटारा किया जाए। जिला कलेक्टर डॉ. जी. लक्ष्मीश ने बूथ स्तरीय अधिकारियों को मतदाता अभिलेखों की शुद्धता सुनिश्चित करने, फोटो संबंधी त्रुटियों को सुधारने तथा संभव हो तो एक ही परिवार के मतदाताओं को एक ही मतदान केंद्र पर रखने के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

तहसील कार्यालयों और सचिवालयों में मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित

रम्पचोडावरम, 7 अगस्तः विशेष गहन पुनरीक्षण–2026 के तहत तैयार की गई मतदाता सूची का प्रारूप पोलवरम जिले के सभी तहसील कार्यालयों तथा ग्राम एवं वार्ड सचिवालयों के सूचना पट्टों पर आम जनता के अवलोकन के लिए प्रदर्शित किया गया है। यह जानकारी निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी एवं संयुक्त कलेक्टर एस. प्रशांत कुमार ने दी। शुक्रवार को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में उन्होंने सभी दलों से पात्र मतदाताओं को जागरूक करने तथा अपने मतदाता विवरणों का सत्यापन कराने में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की आपत्ति या संशोधन के लिए 30 सितंबर तक आवेदन प्रस्तुत किए जा सकते हैं, ताकि अंतिम मतदाता सूची पूरी तरह पारदर्शी और त्रुटिरहित तैयार की जा सके।

जीत–हार से अधिक महत्वपूर्ण है खेल भावना : मंत्री कंदुला दुर्गेश

राजमहेंद्रवरम, 7 अगस्तः आंध्र प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति एवं सिनेमैटोग्राफी मंत्री कंदुला दुर्गेश ने शुक्रवार को श्री प्रकाश शैक्षणिक संस्थानों में आयोजित सीबीएसई साउथ जोन–1 बालिका फुटबॉल चौम्पियनशिप–2026 के उद्घाटन समारोह में कहा कि जीत और हार से अधिक महत्वपूर्ण खेल भावना है।
उन्होंने कहा कि खेल छात्रों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा महिलाओं को अवसर मिलने पर वे हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करती हैं। 6 से 8 अगस्त तक आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों की 51 टीमें भाग ले रही हैं। मंत्री ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ देते हुए टीम भावना और आत्मविश्वास के साथ खेलने का आह्वान किया।

10 अगस्त को पोलवरम जिले में विश्व आदिवासी दिवस भव्य रूप से मनाया जाएगा

रम्पचोडावरम, 7 अगस्तः पोलवरम जिला प्रशासन 10 अगस्त को रम्पचोडावरम के सरकारी विद्यालय परिसर में विश्व आदिवासी दिवस का भव्य आयोजन करेगा। जिला कलेक्टर के. दिनेश कुमार के निर्देश पर संयुक्त कलेक्टर एस. प्रशांत कुमार ने अधिकारियों को आदिवासी संस्कृति और परंपराओं को प्रदर्शित करते हुए उत्सव के रूप में कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। शुक्रवार को आयोजित टेली कॉन्फ्रेंस में उन्होंने आठों मंडलों से लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक मंडल से दो एपीएसआरटीसी बसों की व्यवस्था करने को कहा। कार्यक्रम की शुरुआत आईटीडीए कार्यालय से निकाली जाने वाली रैली तथा खेल मशाल प्रज्ज्वलन के साथ होगी। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल प्रतियोगिताएं, आदिवासी अधिकारों पर विधिक जागरूकता सत्र, आदिवासी बुजुर्गों का सम्मान, निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर तथा पारंपरिक आदिवासी खाद्य पदार्थों के स्टॉल लगाए जाएंगे। कार्यक्रम में पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सा सहायता और भोजन की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए।

निर्धारित समय–सीमा में प्रत्येक जन शिकायत का निस्तारण करें : कलेक्टर

विजयवाड़ा, 7 अगस्तः एनटीआर जिले के कलेक्टर डॉ. जी. लक्ष्मीश ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक जन शिकायत का निर्धारित समय–सीमा के भीतर निस्तारण किया जाए तथा समस्याओं का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने 'एक माहदृएक गांवदृचार दौरे' कार्यक्रम के तहत पेनुगंचिप्रोलु में आयोजित विशेष जन शिकायत निवारण शिविर में कहा कि कुल 160 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें अधिकांश भूमि और पंचायत राज से संबंधित थे। कलेक्टर ने अधिकारियों को प्रत्येक मामले की मौके पर जांच कर शीघ्र और प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

गोदावरी पुष्करालु–2027 की तैयारियों का निरीक्षण

राजमहेंद्रवरम, 7 अगस्तः गोदावरी पुष्करालु–2027 के लिए सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए पूर्वी गोदावरी की जिला कलेक्टर कीर्ति चेकूरी और पुलिस अधीक्षक डी. नरसिंह किशोर ने शुक्रवार को प्रमुख मार्गों तथा पुष्कर घाटों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने वैकल्पिक मार्गों, यातायात डायवर्जन, पार्किंग, आपातकालीन वाहनों की आवाजाही, बैरिकेडिंग, दिशा–निर्देशक बोर्ड तथा पैदल यात्रियों की सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने श्रद्धालुओं की सुरक्षित और सुचारु आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए।

मंत्री कोल्लु रविंद्र ने पोन्नमंड लक्ष्मण स्वामी वर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की

विजयवाड़ा, 7 अगस्तः आंध्र प्रदेश के खान, भूगर्भ संसाधन एवं आबकारी मंत्री कोल्लु रविंद्र ने शुक्रवार को कलेक्टरेट में आयोजित समारोह में समाज सुधारक पोन्नमंड लक्ष्मण स्वामी वर्मा की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि लक्ष्मण स्वामी वर्मा ने अपना जीवन जनसेवा के लिए समर्पित किया और अग्निकुल क्षत्रिय समाज के उत्थान तथा सम्मान के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा उनकी जयंती को आधिकारिक रूप से मनाया जाना उनके प्रति सच्चा सम्मान है। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर डॉ. जी. लक्ष्मीश सहित जनप्रतिनिधि और विभिन्न विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

'लॉक अप 2' की विनर श्रेया कालरा क्या करती हैं और कितनी है नेटवर्थ

पॉपुलर रियलिटी शो 'लॉक अप 2' का ग्रैंड फिनाले हो चुका है और इस सीजन की ट्रॉफी श्रेया कालरा ने अपने नाम कर ली है. उन्होंने फाइनल में शिवांगी जोशी और योगेश रावत को पीछे छोड़ते हुए जीत हासिल की. ट्रॉफी के साथ श्रेया को एक करोड़ रुपये की प्राइज मनी भी मिली. शो जीतने के बाद अब हर कोई उनके बारे में जानना चाहता है. आइए जानते हैं कि श्रेया कालरा कौन हैं, क्या करती हैं और उनकी नेटवर्थ कितनी है.

कौन हैं श्रेया कालरा?

श्रेया कालरा एक डिजिटल कंटेंट क्रिएटर, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और पॉडकास्टर हैं. उनका जन्म 12 जून 1996 को मध्य प्रदेश के इंदौर में एक पहाड़ी परिवार में हुआ था. उनके पिता का नाम किशोर कालरा और मां का नाम राजकुमारी कालरा है. श्रेया की शुरुआती पढ़ाई इंदौर में ही हुई.

उन्होंने एमबीए की डिग्री हासिल की है, लेकिन शुरू से ही उनका सपना एंटरटेनमेंट और ग्लैमर इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने का था. इसी जुनून के चलते उन्होंने कंटेंट क्रिएशन की दुनिया में कदम रखा और आज सोशल मीडिया का जाना-माना चेहरा बन चुकी हैं. इंस्टाग्राम पर उन्हें 2.3 मिलियन (23 लाख) से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं.

'रोडीज रिवॉल्यूशन' में नजर आ चुकी हैं श्रेया कालरा

श्रेया कालरा ने अपने करियर की शुरुआत साल 2018 में टिकटॉक पर डांस और लिप-सिंक वीडियो बनाकर की थी. टिकटॉक बैन होने के बाद उन्होंने इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर कंटेंट बनाना शुरू किया, जहां उनकी अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग बन गई.

श्रेया कालरा को टीवी पर पहली बड़ी पहचान एमटीवी के रियलिटी शो 'रोडीज रिवॉल्यूशन' से मिली थी. वो इस शो में निखिल चिनापा की टीम का हिस्सा थीं. ऑडिशन के दौरान उन्होंने अपनी फिटनेस, डांस और बेबाक अंदाज से रणविजय सिंहा समेत सभी जजों को इंप्रेस किया था. उन्होंने म्यूजिक वीडियो 'ज़रिया तू' में भी काम किया है.

'लॉक अप 2' में दिखा बेबाक अंदाज

'रोडीज' के बाद 'लॉक अप 2' में भी उनका बेबाक अंदाज देखने को मिला. शो में उन्हें 'बदतमीज' का टैग दिया गया, लेकिन श्रेया ने इसे अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत बनाया. उन्होंने पूरे सीजन में शिल्पा शिंदे, शिवांगी जोशी और राम कपूर जैसे मजबूत कंटेस्टेंट्स को कड़ी टक्कर दी और आखिरकार ट्रॉफी अपने नाम कर ली.

कितनी अमीर हैं श्रेया कालरा?

श्रेया कालरा की कुल नेटवर्थ 1.5 करोड़ रुपये से 3 करोड़ रुपये के बीच है. उनकी कमाई सोशल मीडिया, ब्रांड प्रमोशन, यूट्यूब, कंटेंट क्रिएशन और रियलिटी शोज से होती है. 'लॉक अप 2' जीतने के बाद उन्हें 1 करोड़ रुपये की प्राइज मनी भी मिली है.

ऋषभ जायसवाल को डेट कर रहीं श्रेया कालरा

श्रेया कालरा की पर्सनल लाइफ भी अक्सर सुर्खियों में रहती है. 'रोडीज रिवॉल्यूशन' के दौरान उनकी मुलाकात कंटेस्टेंट और टीवी एक्टर ऋषभ जायसवाल से हुई थी.

दोनों की दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई और पिछले कई सालों से दोनों रिलेशनशिप में हैं. श्रेया और ऋषभ मुंबई में साथ रहते हैं. श्रेया अक्सर सोशल मीडिया पर ऋषभ के साथ अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं. 'लॉक अप 2' के दौरान भी ऋषभ ने हर कदम पर उनका सपोर्ट किया और फैंस से उन्हें वोट करने की अपील की.

थलपति विजय सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटका

ईडी ऑफिसर घूसखोरी केस में रोक नहीं हटेगी

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को संकेत दिया कि तमिलनाडु के ईडी ऑफिसर रिश्वत कांड की जांच वह राज्य सरकार की एजेंसी से लेकर किसी सेंट्रल एजेंसी को सौंप सकता है। भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने यह भी साफ कर दिया है कि जांच पर लगी रोक अभी वह नहीं हटा रहा। सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया है कि राज्य सरकार का ईडी ऑफिसर पर जिस तरह का आरोप है, उसपर विश्वास कौन करेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया है कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी अंकित तिवारी से जुड़े घूसखोरी मामले की जांच को वह सीबीआई जैसी किसी स्वतंत्र केंद्रीय एजेंसी को सौंप सकता है। लाइवलॉ की रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु के डायरेक्टोरेट ऑफ विजिलेंस एंड एंटी-करप्शन की जांच पर सर्वोच्च अदालत जो रोक लगा रखी है, वह अभी लगी रहेगी। अदालत ने जांच से रोक हटाने की तमिलनाडु की सरकार की मांग ठुकरा दी है।

तमिलनाडु सरकार की जांच पर कब लगी रोक

सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ईडी की ओर से 2024 में दायर रिट याचिका की सुनवाई कर रहा है।ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका देकर मांग की है कि ईडी अधिकारी अंकित तिवारी के खिलाफ रिश्वत केस की जांच तमिलनाडु की एजेंसी से लेकर सीबीआई को सौंप दी जाए। जनवरी, 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार की एफआईआर पर आगे की कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। तब तमिलनाडु में एमके स्टालिन की अगुवाई वाली डीएमके की सरकार थी।

तमिलनाडु ने जांच पर रोक हटाने की मांग की

गुरुवार को तमिलनाडु की थलपति सी जोसेफ विजय की टीवीके सरकार की ओर से सीनियर एडवोकेट गुरु कृष्णा कुमार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि राज्य सरकार ने एक आवेदन दिया है, जिसमें जांच पर लगी रोक हटाने की मांग की गई है। कुमार ने कहा, 'ईडी ऑफिसर के खिलाफ आगे की कार्रवाई रोक दी गई थी। हमने रोक हटाने की मांग की है।'

ईडी अफसर को 'रंगे हाथों' पकड़ने की दलील

तमिलनाडु के एडिश्नल एडवोकेट जनरल पीसी सेन भी अपनी सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए और बेंच के सामने दलील दी कि ईडी के अधिकारी को 'रंगे हाथों' पकड़ा गया था, इसलिए जांच जरूरी था।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि इस मामले की जांच इसके बदले किसी अन्य सेंट्रल एजेंसी को सौंपी जा सकती है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'या हम इसकी जांच किसी सेंट्रल एजेंसी को सौंप दें।'

सीजेआई सूर्यकांत बोले- जांच पर रोक नहीं हटेगी

लेकिन, सीजेआई की बेंच ने साफ कर दिया कि अदालत को इस मामले में पहले दी गई अंतरिम राहत को हटाने में कोई दिलचस्पी नहीं है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा- हम रोक नहीं हटाने जा रहे। हम मुख्य केस पर ही फैसला करेंगे।

'ईडी के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ रही सरकार'

सीजेआई सूर्यकांत के मुताबिक, 'सरकार ईडी के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ रही है। सवाल है कि आरोपों पर कौन विश्वास करेगा। अगर आरोप सही हैं, तो किसी सेंट्रल एजेंसी को जांच करने दें। ईडी नहीं, कोई और।'

क्या 'दृश्यम 3' से इतिहास रच पाएंगे अजय देवगन?

अजय देवगन की 'सन ऑफ सरदार 2' और 'दे दे प्यार दे 2' बॉक्स ऑफिस पर ठंडी साबित हुई थी. हालांकि एक्टर की इस साल आई 'धमाल 4' ने उन्हें सफलता का स्वाद फिर से चखा दिया. 'धमाल 4' की बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस काफी शानदार रही है. वहीं अब एक्टर अपनी ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी 'दृश्यम' के तीसरे पार्ट से धमाल मचाने की तैयारी कर रहे हैं.

अजय की ये क्राइम थ्रिलर उनकी अब तक की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन सकती है. वहीं अगर ये फिल्म 300 करोड़ क्लब में एंट्री करती है तो ये अजय एक बड़ा रिकॉर्ड बना देंगे.

'दृश्यम' के तीसरे पार्ट को लेकर फैंस में जबरदस्त एक्साइटमेंट

बता दें कि ओरिजनल 'दृश्यम' की शुरुआत मोहनलाल ने साल 2013 में की थी. वहीं इसके ऑफिशियल हिंदी रिमेक में अजय देवगन ने गर्दा उड़ा दिया था. इस फ्रेंचाइजी के दोनों पार्ट में अजय ने विजय सलगांवकर का किरदार निभाया जो खूब पॉपुलर हुआ. दिलचस्प बात ये है कि 'दृश्यम' के हिंदी रीमेक को न सिर्फ क्रिटिक्स की तारीफ मिली थी, बल्कि

फ्रेंचाइजी ने बॉक्स-ऑफिस पर जबरदस्त कामयाबी भी हासिल की थी. ऐसे में 'दृश्यम' के हिंदी रिमेक के तीसरे पार्ट को लेकर पहले ही लोगों में काफी एक्साइटमेंट है.

'दृश्यम 3' कर सकती है 300 करोड़ क्लब में एंट्री

बता दें कि दृश्यम 2' ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 241 करोड़ रुपये (नेट) की शानदार कमाई की थी. फिल्म के शानदार ट्रैक रिकॉर्ड और पॉपुलैरिटी को देखते हुए, बॉक्स ऑफिस के जानकारों का अनुमान है कि 'दृश्यम 3' कम से कम 300 करोड़ रुपये (नेट) की कमाई करेगी. बॉलीवुड की आम 'सीक्वल' फिल्मों के उलट, 'दृश्यम 3' से उम्मीद है कि यह न केवल शानदार ओपनिंग करेगी, बल्कि लंबे समय तक बॉक्स ऑफिस पर मजबूती से टिकी भी रहेगी.

'दृश्यम 3' बना सकती है तगड़े रिकॉर्ड

भारतीय सिनेमा में कई पॉपुलर फिल्म फ्रैंचाइजी के तीसरे पार्ट आए हैं, लेकिन उनमें से किसी ने भी भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये की नेट कमाई नहीं की है. ऐसे में अजय देवगन की 'दृश्यम 3' 300 करोड़ रुपये का क्लब जॉइन करने वाली पहली भारतीय थ्रीक्वल बनकर इतिहास रच सकती है . अगर ऐसा होता है तो यह अजय देवगन के लिए एक बड़ी अचीवमेंट होगी.

'दृश्यम 3' के बारे में

बता दें कि 'दृश्यम 3' सिनेमाघरों में 2 अक्टूबर 2026 को गांधी जयंती के नेशनल हॉलीडे के दिन दस्तक देगी. इस फिल्म को अभिषेक पाठक ने डायरेक्ट किया है और कुमार मंगत पाठक ने इसे प्रोड्यूस किया है. स्टार कास्ट की बात करें तो इस फिल्म में एक बार फिर तब्बू, श्रिया सरन, इशिता दत्ता अपनी भूमिका दोहराते दिखेंगे. जबकि जयदीप अहलावत और प्रकाश राज की फिल्म में नई एंट्री हुई है.

'गोलमाल 5' की रिलीज डेट आई सामने, प्रभास की 'फौजी' से होगा क्लैश?

अजय देवगन की इन दिनों 'धमाल 4' थिएटर में लगी है. फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. इसी बीच उनकी अपकमिंग फिल्म 'गोलमाल 5' को लेकर खबरें सामने आ रही हैं. पहले 4 दिसंबर को अजय की ही फिल्म 'रेंजर' रिलीज होने वाली थी. लेकिन अब रेंजर की जगह फिल्म 'गोलमाल 5' के आने की खबरें हैं.

बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड की रिपोर्ट के मुताबिक, 'गोलमाल 5' दिसंबर महीने में रिलीज हो सकती है. अगर फिल्म 4 दिसंबर को रिलीज हुई तो इसका क्लैश प्रभास की फिल्म 'फौजी' के साथ होगा. 'फौजी' 3 दिसंबर 2026 को रिलीज होगी. एक तरफ 'गोलमाल 5' कॉमेडी से भरपूर

होगी. वहीं 'फौजी' एक्शन से भरपूर होगी. 'फौजी' को हनु राघवपुडी ने डायरेक्ट किया है. ये एक पीरियड एक्शन ड्रामा है. प्रभास और अजय-अक्षय की फिल्म का क्लैश काफी खास है. क्योंकि दोनों ही फिल्मों की अपनी ऑडियंस है. एक तरफ गोलमाल 5 में अक्षय-अजय जैसे स्टार्स, रोहित शेट्टी का डायरेक्शन और सक्सेसफुल गोलमाल फ्रेंचाइजी का पांचवां पार्ट. वहीं फौजी में प्रभास का स्टारडम ही काफी है. दोनों ही फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर धमाका करने की खबरें हैं.

'गोलमाल 5' की ऑफिशियल अनाउंसमेंट हो गई है. फिल्म में इस बार अक्षय कुमार भी नजर आएंगे. फिल्म का फर्स्ट लुक वीडियो सामने आ चुका है.

इसमें अक्षय कुमार को बाल्ड लुक में देखा गया. वहीं वो अजय देवगन को किस करते भी दिखे. फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार के अलावा श्रेयस तलपड़े, अरशद वारसी, कुणाल खेमू, तुषार कपूर जैसे स्टार्स नजर आएंगे. फिल्म में अक्षय और अजय की जोड़ी को देखने के लिए फैंस एक्साइटेड हैं. फिल्म के पहले 4 पार्ट आ चुके हैं.

वाराणसी से महेश बाबू का एक्शन वीडियो वायरल, फैंस में बढ़ी हलचल

महेश बाबू के जन्मदिन (8 अगस्त) से ठीक पहले फिल्म का एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसे वाराणसी घाट पर शूट हुए एक बड़े एक्शन सीन का हिस्सा बताया जा रहा है।

एक्शन सीन करते दिखे महेश बाबू

फिल्म के अनाउंसमेंट के बाद से ही 'वाराणसी' बार-बार लीक का शिकार होती रही है। पहले सेट की तस्वीरें, अनाउंसमेंट वीडियो के कुछ हिस्से और पृथ्वीराज सुकुमारन का लुक भी ऑनलाइन सामने आ चुका है। अब यह नया वीडियो सामने आने के बाद फैंस के बीच और भी एक्साइटमेंट बढ़ गई है। वायरल हो रहे इस वीडियो में महेश बाबू खून से लथपथ नजर आ रहे हैं, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह फिल्म के किसी बड़े एक्शन सीन का हिस्सा हो सकता है। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक

इस वीडियो की सच्चाई पर कोई बयान नहीं दिया है।

पहले भी लीक हो चुके हैं सीन

इससे पहले भी फिल्म के 'उग्रभट्टी गुफा' वाले सीन से जुड़ा एक लीक सामने आया था, जिसे पोस्टर्स और अनाउंसमेंट वीडियो में थोड़ी झलक के तौर पर दिखाया गया था। उस सीन में बड़े-बड़े पत्थर, नक्काशीदार खंभे और ब्लू-स्क्रीन सेटअप नजर आया था, जिससे साफ था कि इसमें भारी वीएफएक्स का इस्तेमाल किया जाएगा। अनाउंसमेंट वीडियो में 'छिन्नमस्ता देवी' की एक झलक भी दिखाई गई थी, जिससे यह गुफा वाला सीन फिल्म का सबसे खास हिस्सा माना जा रहा है। लगातार हो रहे इन लीक्स की वजह से 'वाराणसी' इन दिनों काफी चर्चा में है। यह फिल्म अभी प्रोडक्शन में है और अब तक इसकी कई तस्वीरें और वीडियो आधिकारिक रिलीज से पहले ही सामने आ चुके हैं।

'वाराणसी' के बारे में

राजामौली ने हाल ही में फिल्म के बारे में बताया था कि 'वाराणसी' एक बड़ी एडवेंचर फिल्म होगी, जिसकी कहानी वाराणसी से शुरू होकर अंटार्कटिका, अफ्रीका और प्राचीन रोम तक जाएगी। इसमें टाइम-ट्रैवल का एंगल भी होगा और कहानी फिर से वाराणसी में आकर खत्म होगी।

फिल्म की करीब 80% शूटिंग पूरी हो चुकी है और बड़े एक्शन सीन भी शूट हो गए हैं। बाकी शूटिंग और पोस्ट-प्रोडक्शन का काम साथ-साथ चल रहा है। इस फिल्म में महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आएंगे। यह राजामौली और महेश बाबू की पहली फिल्म है। फिल्म के कुछ खास सीन IMAX कैमरों से शूट किए जा रहे हैं, ताकि इसका स्केल और भी बड़ा दिखे।

'सीरियल किसर' के टैग से परेशान हो गए थे इमरान हाशमी, विलेन बनकर मचाया तहलका?

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता इमरान हाशमी को हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में काम करते हुए 2 दशक से ज्यादा का वक्त हो चुका है. अपने करियर में उन्होंने कई शानदार फिल्में दी हैं. बॉलीवुड के अलावा साउथ सिनेमा और ओटीटी पर भी वो अपना जलवा बिखेर चुके हैं. हालांकि करियर की शुरुआत से लेकर कई सालों तक उनकी इमेज 'सीरियल किसर' की रही. हालांकि बाद में वो इस इमेज को तोड़ने में कामयाब रहे और फिर विलेन बनकर भी दर्शकों का दिल जीत लिया

'फुटपाथ' से किया था डेब्यू

इमरान हाशमी का शुरू से ही फिल्मी घराने से संबंध रहा है. अभिनेता का जन्म 24 मार्च 1979 को मुंबई में हुआ था. आलिया भट्ट, पूजा भट्ट और मोहित सूरी जैसे सेलेब्स उनके कजिन हैं. इमरान साल 2001 में फिल्म 'ये जिंदगी का सफर' से डेब्यू करने वाले थे, लेकिन उन्हें इस फिल्म से बाहर कर दिया गया था. इसके बाद एक्टर ने साल 2003 में फिल्म 'फुटपाथ' से डेब्यू किया था. इस क्राइम एक्शन फिल्म का डायरेक्शन विक्रम भट्ट ने किया था.

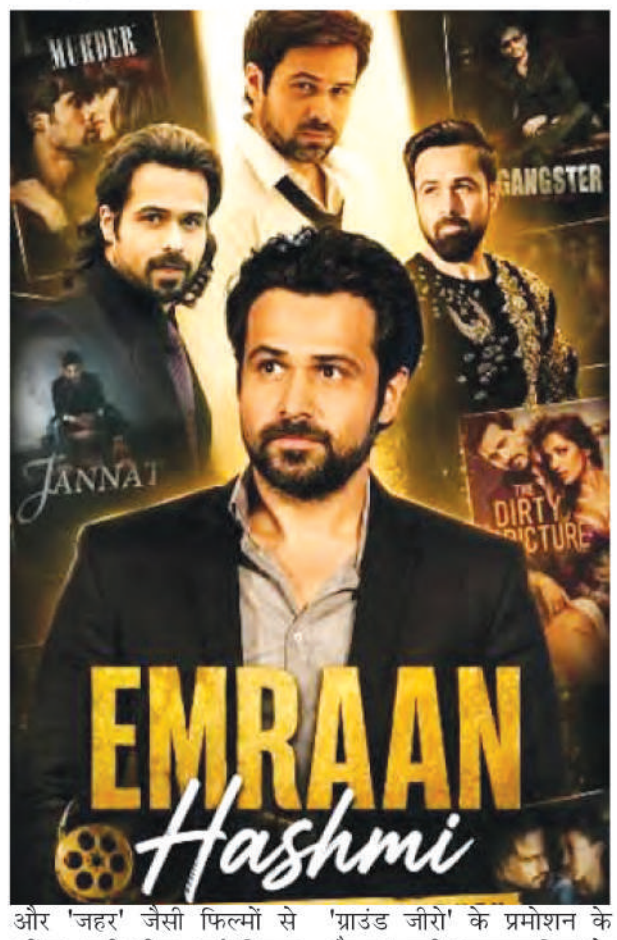

'मर्डर' से बने 'सीरियल किसर'

पहली फिल्म से इमरान को कोई खास पहचान नहीं मिली थी. हालांकि शुरुआती दौर में ही वो फिल्म 'मर्डर' से दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब हो गए थे. 2004 की ये फिल्म सफल रही थी. इसमें उन्होंने मल्लिका शेरावत के साथ काम किया था. दोनों के बीच जबरदस्त इंटीमेट सीन फिल्माए गए थे और उनकी केमिस्ट्री काफी चर्चा में रही थी. इस फिल्म के बाद इमरान को सीरियल किसर का टैग मिल गया था.

'जन्नत' ने बना दिया स्टार

मर्डर के बाद इमरान ने फैंस का ध्यान 'आशिक बनाया आपने', 'गैंगस्टर','आवारापन' और 'जहर' जैसी फिल्मों से खींचा. इसी बीच आई फिल्म 'जन्नत' ने उनकी लोकप्रियता में चार चांद लगा दिए थे. साल 2008 की ये फिल्म सुपरहिट निकली थी और इमरान ने बतौर स्टार इंडस्ट्री में खुद को स्थापित कर लिया था. इस मूवी को न सिर्फ भारत में बल्कि पाकिस्तान में भी काफी पसंद किया गया था.

'सीरियल किसर' इमेज से हो गए थे परेशान

शुरुआत में सफलता की चकाचौंध में इमरान हाशमी को 'सीरियल किसर' का टैग काफी अच्छा लगता था, हालांकि हालात और वक्त बदलने के बाद वो इस टैग से परेशान होने लगे थे. क्योंकि फैंस के मन में भी उनकी सिर्फ ये ही इमेज रह गई थी. वो उन्हें किसी दूसरे अंदाज में नहीं देखना चाहते थे.

साल 2025 में अपनी फिल्म 'ग्राउंड जीरो' के प्रमोशन के दौरान रणवीर इलहाबादिया के पॉडकास्ट में इमरान हाशमी ने सीरियल किसर टैग को लेकर कहा था, 'मैं चाहता था कि लोग मुझे गंभीरता से लें. एक वक्त पर मैं इससे थोड़ा परेशान रहता था. इसका यूज मार्केटिंग के लिए और फिर फिल्मों में बेवजह की चीजों को एड करने के लिए भी हुआ.' उन्होंने आगे ये भी बताया कि वो काफी कोशिश करते थे इस इमेज से दूर होने की, लेकिन फैंस उन्हें कोई दूसरी चीज करते हुए देखना ही नहीं चाहते थे.

विलेन बनकर तोड़ी 'सीरियल किसर' इमेज

आखिरकार वो वक्त भी आया जब इमरान हाशमी ने अपनी सीरियल किसर की इमेज तोड़ी और विलेन के रूप में फैंस का दिल जीत लिया. सलमान खान और कैटरीना कैफ की साल 2023 की फिल्म 'टाइगर 3' में उन्होंने आतिश रहमान नाम के विलेन की दमदार भूमिका निभाई थी. उन्होंने इसके जरिए ये साबित किया कि वो सिर्फ सीरियल किसर तक सीमित नहीं है, बल्कि वो एक मल्टीटैलेंटेड अभिनेता हैं.

साउथ में भी विलेन बनकर किया कमाल

इमरान हाशमी ने अपना विलेन अवतार हिंदी सिनमा में ही नहीं, बल्कि साउथ सिनेमा में भी दिखाया है. इमरान ने साउथ सिनेमा में अपना डेब्यू पवन कल्याण की फिल्म 'दे कॉल हिम ओजी' से किया था. ये एक्शन रोमांटिक फिल्म साल 2025 में रिलीज हुई थी. इसमें इमरान ने एक खतरनाक गैंगस्टर ओमी भाऊ की भूमिका निभाई.

ओटीटी पर भी बिखेरा जलवा

बॉलीवुड से लेकर साउथ तक में बड़े पर्दे पर छा चुके इमरान हाशमी ओटीटी पर भी काम कर चुके हैं. उन्होंने ओटीटी पर डेब्यू साल 2019 में नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'बार्ड ऑफ ब्लड' से किया था. इसके बाद वो साल 2024 में 'शोटाइम' और 'तस्करी' (2026) को लेकर भी चर्चा में रहे. वहीं 2025 में इमरान की कोर्ट रूम ड्रामा फिल्म 'हक' भी ओटीटी पर ही रिलीज हुई थी.

अब 'आवारापन 2' से छाने को तैयार हैं एक्टर

इमरान अब अपनी फिल्म 'आवारापन 2' से छाने को तैयार हैं. आवारापन साल 2007 में आई थी और बाद में कल्ट फिल्म साबित हुई थी. अब इसका सीक्वल 14 अगस्त को रिलीज हो रहा है. इसे लेकर अच्छा खासा बज बना हुआ है. फिल्म में वो अपने पुराने शिवम पंडित के किरदार में ही दिखाई देंगे. फिल्म का हिस्सा दिशा पाटनी और शबाना आजमी जैसी एक्ट्रेसेस भी हैं.

'गैंग्स ऑफ वासेपुर' में मिली कामयाबी से पहले के सफर पर बोले पंकज त्रिपाठी

एक्टर पंकज त्रिपाठी ने 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' से मिली कामयाबी से पहले के संघर्ष के दिनों को याद करते हुए अपने करियर के उस दौर की तुलना खेत में बीज बोने और फसल के पकने का इंतजार करने से की है।

बाहर से नहीं लिया मोटिवेशन

नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले एक्टर पंकज त्रिपाठी ने एएनआई से बातचीत में कहा 'मुझे नहीं पता था कि किसी इंसान को खुद को मोटिवेट करते रहना चाहिए या मोटिवेटेड रहने के लिए अलग से कोशिश करनी चाहिए। सच कहूं तो, मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि जिंदगी जीने के लिए मुझे मोटिवेशन की जरूरत है।'

तैयारी करने में लगाया समय

इस एक्टर ने फिल्म 'रन' (2004) से हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया। 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' (2012) में सुल्तान कुरैशी के रोल से उन्हें बड़ी पहचान मिली। उन्होंने कहा कि उन्होंने उन वर्षों में कामयाबी की चिंता करने के बजाय तैयारी करने में समय

बिताया।

उन्होंने कहा, 'मैं अपने काम में व्यस्त था। मुझे एक्टिंग का मौका नहीं मिल रहा था। इसलिए मैं अपने बाकी काम की तैयारी कर रहा था। मैं अपनी कला सीख रहा था। मैं आज भी इसे सीख रहा हूं।'

बीच बोने की प्रक्रिया में समय लगा

यह बताते हुए कि कैसे उनके ग्रामीण बैकग्राउंड ने उनके नजरिए को आकार दिया, त्रिपाठी ने अपने एक्टिंग के सफर की तुलना खेती की प्रक्रिया से की।

उन्होंने कहा, 'असल में, मैं एक गांव में पला-बढ़ा हूं। मैं उसी दुनिया से आता हूं। मैं एक किसान परिवार से हूं। मैं खुद को तैयार कर रहा था। यह बिल्कुल वैसा ही है जैसे मैं कोई बीज बोऊं, उसे सही हालात में रखूं और 15 दिन बाद उसके अंकुरित होने का इंतजार करूं। वो साल बीज बोने की प्रक्रिया जैसे थे। यह लंबे समय तक चला। लोग चार महीने में फल की उम्मीद करते हैं और पौधे हर साल फल देते हैं। मगर मेरी बीज बोने की प्रक्रिया में थोड़ा ज्यादा समय लगा।'

सही रास्ते पर थे अभिनेता

त्रिपाठी ने कहा कि उन्हें प्रक्रिया पर भरोसा था और उन्होंने तुरंत नतीजे पाने की कोशिश करने के बजाय अनुशासन बनाने पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा 'तब भी, मैं अपनी जिंदगी के आगे बढ़ने के तरीके से खुश था। मैं रोज दौड़ता था, ध्यान करता था, किताबें पढ़ता था और एक्टिंग के बारे में सोचता था। मुझे पता था कि मैं सही रास्ते पर हूं।'

पंकज त्रिपाठी का वर्क फ्रंट

पंकज त्रिपाठी फिल्म 'मिर्जापुरः द मूवी' में कालीन भैया का अपना मशहूर किरदार भी दोबारा निभाएंगे। यह फिल्म 4 सितंबर, 2026 को रिलीज होने वाली है।

Printed and Published by **GANTYADA APPARAO** on behalf of **GANTYADA APPARAO**, Printed at Sri Sai Ganga Printers and Publishers Flat No: 504, Bharat Towers, 5th Lane, Dwaraka Nagar, Visakhaptanam, Andhra Pradesh-530016, and Published at H.NO: 38-4-216, MAHARANI STREET, MARRIPALEM, Visakhapatnam, Andhra Pradesh-530018, **Editor: GANTYADA APPARAO.** Mobile : 9059465965, **RNI : APHIN/26/A3657**, editorpenpower@gmail.com